संशोधित पाठ्यक्रम

बी. ए. भाग–1

हिन्दी साहित्य

प्रथम– प्रश्न पत्र

(प्राचीन हिन्दी काव्य) पूर्णांक 75

(पेपर कोड– 0103)

उद्देश्य एवं प्रस्तावना–

प्राचीन से तात्पर्य है– आधुनिक काल से पूर्व का काल। सही अर्थ में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से शुरू होता है। इसमें धार्मिक तथा ऐतिहासिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है, जो प्रबंध, मुत्तक, रासो, फागु, चरित, सुभाषित आदि विविध काव्यरूपों में अभिव्यंजित है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे प्रतिष्ठापित किया जाता है।

मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहां लोक जागरण को स्वर देने वाला है, वहीं रीतिकाल अपने लौकिक– श्रृंगारिका, परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को बेलौस अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा, संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यरूपता, लौकिकत– पारलौकिकता, आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

पाठ्य विषय–

1. कबीर (कबीर– कांतिकुमार जैन, प्रारंभिक 50 साखियाँ)
2. जायसी– (संक्षिप्त पद्यावत– श्यामसुंदर दास, नागमती वियोग वर्णन)
3. सूर (भ्रमर गीत सार– सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रारंभिक 25 पद)
4. तुलसी – "रामचरित मानस" के सुंदरकाण्ड से प्रारंभिक 30 दोहे चौपाई छंद साहिंत
5. घनानन्द (घनानन्द– सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्रारंभिक 25 छंद)

   द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जावेगा– जिसमें से किन्हीं दो पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे–

1. विद्यापति
2. रहीम
3. रसखान

अंक विभाजन–

1. व्याख्याएँ (3) – 21 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न (2) – 24 अंक
3. लघुउत्तरीय प्रश्न (5) – 15 अंक
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न (15) – 15 अंक

Scanned with CamScanner

संशोधित

बी. ए. भाग–1

हिन्दी साहित्य

द्वितीय– प्रश्न पत्र

हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक 75

(पेपर कोड– 0104)

उद्देश्य एवं प्रस्तावना–

गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसमें आधुनिक जीवन, अपनी विविध कमियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियाँ, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है।

पाठ्य विषय–

व्याख्या एवं आालोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक उपन्यास एवं आठ कहानीकारों की एक– एक प्रतिनिधि कहानी का अध्ययन आवश्यक है।

उपन्यास	1.	प्रेमचंद	–	गबन
कहानी	1.	प्रेमचंद	–	कफन
	2.	जयशंकर प्रसाद	–	आकाश दीप
	3.	यशपाल	–	परदा
	4.	फणीश्वनाथ रेणु	–	ठेस
	5.	मोहन राकेश	–	मलबे का मालिक
	6.	भीष्म साहनी	–	चीफ की दावत
	7.	गुलशेर खाँ शानी	–	जली हुई रस्सी
	8.	रांगेय राघव	–	गदल

द्रुत पाठ के लिए निम्नांकित तीन कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिनमें से किन्हीं दो पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जावेंगे–

1. उपेन्द्रनाथ अश्क, 2. बाल शौरि रेड्डी 3. शिवानी

अंक विभाजन–	व्याख्या (3)	21 अंक
	आलोचनात्मक प्रश्न (2)	24 अंक
	लघुउत्तरीय प्रश्न (5)	15 अंक
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (15)	15 अंक

Scanned with CamScanner